an>

Title: Regarding widening of road in Ramniwas ward in Katni, Madhya Pradesh.

श्री प्रहलाद सिंह पटेल (दमोह) : सभापति महोदय, मैंने रेल भूमि से संबंधित विषय पर बोलने के लिए निवेदन किया था। सड़क चौड़ाकरण के कारण कटनी में सौ साल पुराने मकान गिराए जाने की बात हो रही है। दूसरी तरफ वहां रेलवे की भूमि है। लेकिन, मैंने इसके लिए भी निवेदन किया था कि आप मुझे अपना विषय बदलने की अनुमति दें।

सभापति महोदय, केरल में जहां चार महिला खिलाड़ियां ने आत्महत्या की कोशिश की है, मैं दो महीने पूर्व, उसी इंस्टीट्यूट में स्पोर्ट्स लॉ के कॉफ्रेंस में गया था। तब ये परिस्थितियां वहां कुछ चर्चा में थीं। मैं आपके माध्यम से सरकार से कहना चाहता हूं कि जो भी खिलाड़ी है और जिस खिलाड़ी का भी शोषण होता है, उसे बिना स्पोर्ट्स लॉ के रोका नहीं जा सकता है। मैं आपके माध्यम से प्रार्थना करूंगा कि सरकार स्पोर्ट्स लॉ लाने की तैयारी करे। जो ड्राफ्ट्स आज तक हैं, और जितने मैंने पढ़े हैं, उस आधार पर कभी भी किसी खिलाड़ी को उसके सुनिश्चित अधिकार नहीं मिल सकते। अगर कोई उनके साथ गलती करता है तो उसे सजा मिले, ऐसा कोई प्रावधान आज तक इस देश के कानून में नहीं है। अगर कोई मेरे फीचर्स को खराब करे या मेरे साथ दुराव का कोई व्यवहार करे, तो आज भी कोई कानून उसे सजा देने की स्थिति में नहीं है।

महोदय, इसलिए मैं आपके माध्यम से सरकार से आग्रह करूंगा कि बहुत जल्दी इस सदन में स्पोर्ट्स लॉ लेकर आए या उसको देश के सामने डिस्कसन के लिए लेकर आए, क्योंकि यहां स्पोर्ट्स फेडरेशंस की तानाशाही है। जो अधिकारी हैं, उनकी तानाशाही है। इन सारी अव्यवस्थाओं के बीच में कोई रास्ता निकाला जाना चाहिए, क्योंकि खिलाड़ी मध्य वर्ग और गरीब परिवारों से आते हैं। वे शोषण का शिकार होते हैं और इसके कारण वे बाद में इस तरह के कदम उठाते हैं। इसलिए, इसका स्थायी हल ढूंढ़ने की जरूरत है।

HON. CHAIRPERSON:

Shri Bhairon Prasad Mishra and

Shri P.P. Chaudhary are permitted to associate with the issue raised by Shri Prahlad Singh Patel.